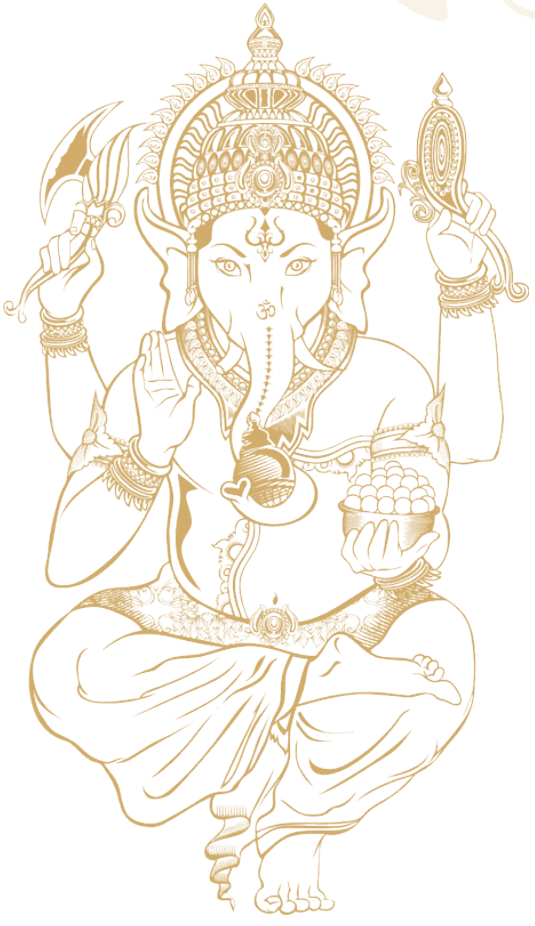

Subham Nayak

21 Mar 2014

07:29 AM

Raigarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 119390802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/03/2014**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**07:29:00 घंटे**
इष्ट	03:42:49 घटी
स्थान	**Raigarh**
राज्य	Chhattisgarh
देश	India

अक्षांश	21:53:00 उत्तर
रेखांश	83:28:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:32:52 घंटे
वेलान्तर	-00:07:14 घंटे
साम्पातिक काल	19:26:56 घंटे
सूर्योदय	05:59:52 घंटे
सूर्यास्त	18:07:15 घंटे
दिनमान	12:07:24 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	06:18:57 मीन
लग्न के अंश	04:04:35 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	हर्षण
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ते-तेजवन्त
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	04:04:35	449:47:11	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	---
सूर्य			मीन	06:18:57	00:59:35	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			तुला	28:18:11	13:21:04	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
मंगल	व		तुला	01:05:46	00:14:38	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
बुध			कुंभ	09:43:49	01:15:17	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
गुरु			मिथु	16:43:49	00:02:48	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			मक	19:48:20	00:58:37	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	केतु	मित्र राशि
शनि	व		तुला	28:58:38	00:01:49	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	उच्च राशि
राहु			तुला	04:30:21	00:01:32	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
केतु			मेष	04:30:21	00:01:32	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष			मीन	17:42:54	00:03:23	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	---
नेप			कुंभ	11:55:36	00:02:07	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
प्लूटो			धनु	19:21:45	00:00:46	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
दशम भाव			धनु	26:01:50	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:03:29

लग्न-चलित

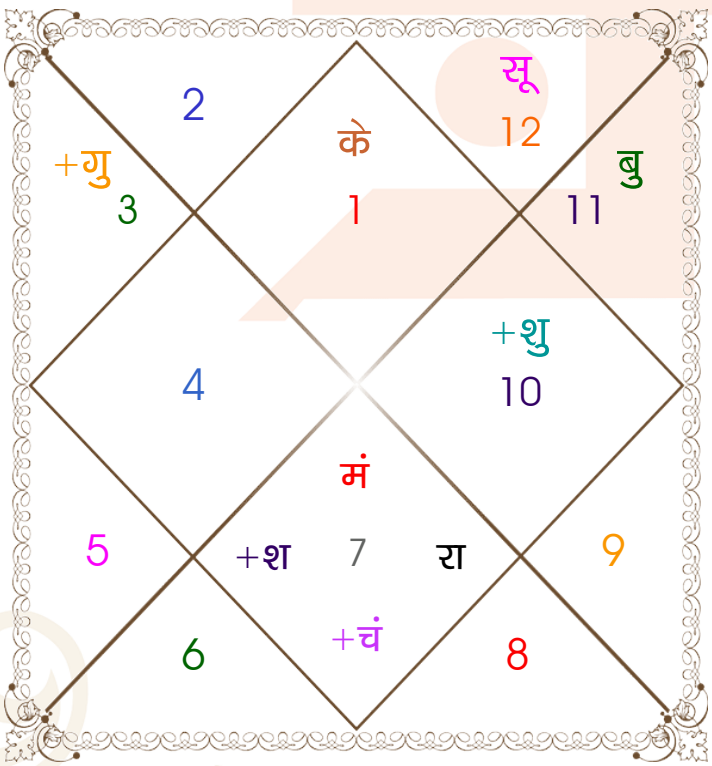

चन्द्र कुंडली

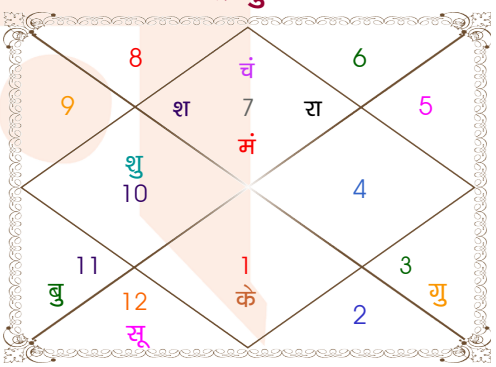

नवमांश कुंडली

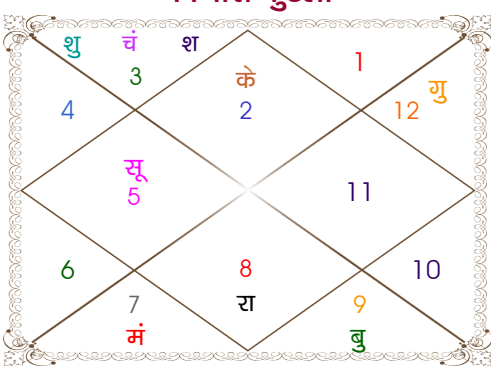

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 6 वर्ष 0 मास 13 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
21/03/2014		03/04/2020		03/04/2039		03/04/2056		03/04/2063	
03/04/2020		03/04/2039		03/04/2056		03/04/2063		03/04/2083	
	00/00/0000	शनि	06/04/2023	बुध	30/08/2041	केतु	30/08/2056	शुक्र	03/08/2066
	00/00/0000	बुध	14/12/2025	केतु	27/08/2042	शुक्र	30/10/2057	सूर्य	03/08/2067
	00/00/0000	केतु	23/01/2027	शुक्र	27/06/2045	सूर्य	07/03/2058	चंद्र	03/04/2069
	21/03/2014	शुक्र	25/03/2030	सूर्य	03/05/2046	चंद्र	06/10/2058	मंगल	03/06/2070
शुक्र	15/10/2014	सूर्य	07/03/2031	चंद्र	03/10/2047	मंगल	04/03/2059	राहु	03/06/2073
सूर्य	03/08/2015	चंद्र	05/10/2032	मंगल	29/09/2048	राहु	21/03/2060	गुरु	02/02/2076
चंद्र	02/12/2016	मंगल	14/11/2033	राहु	19/04/2051	गुरु	25/02/2061	शनि	03/04/2079
मंगल	08/11/2017	राहु	20/09/2036	गुरु	24/07/2053	शनि	06/04/2062	बुध	01/02/2082
राहु	03/04/2020	गुरु	03/04/2039	शनि	03/04/2056	बुध	03/04/2063	केतु	03/04/2083

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
03/04/2083		03/04/2089		03/04/2099		04/04/2106		04/04/2124	
03/04/2089		03/04/2099		04/04/2106		04/04/2124		00/00/0000	
सूर्य	22/07/2083	चंद्र	01/02/2090	मंगल	30/08/2099	राहु	15/12/2108	गुरु	23/05/2126
चंद्र	20/01/2084	मंगल	02/09/2090	राहु	18/09/2100	गुरु	11/05/2111	शनि	03/12/2128
मंगल	27/05/2084	राहु	03/03/2092	गुरु	25/08/2101	शनि	17/03/2114	बुध	11/03/2131
राहु	21/04/2085	गुरु	03/07/2093	शनि	04/10/2102	बुध	03/10/2116	केतु	15/02/2132
गुरु	07/02/2086	शनि	01/02/2095	बुध	01/10/2103	केतु	22/10/2117	शुक्र	22/03/2134
शनि	20/01/2087	बुध	03/07/2096	केतु	27/02/2104	शुक्र	21/10/2120		00/00/0000
बुध	27/11/2087	केतु	01/02/2097	शुक्र	28/04/2105	सूर्य	15/09/2121		00/00/0000
केतु	03/04/2088	शुक्र	03/10/2098	सूर्य	03/09/2105	चंद्र	17/03/2123		00/00/0000
शुक्र	03/04/2089	सूर्य	03/04/2099	चंद्र	04/04/2106	मंगल	04/04/2124		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 6 वर्ष 0 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न का उदय काल एवं वृषभ नवांश तथा मेष राशि का द्रेष्काण का प्रवेश काल विद्यमान था। अश्विनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आप स्वतंत्रप्रिय, तेजस्वी, उत्साही, समझौते में विश्वास रखने वाले, किसी के समक्ष नतमस्तक नही होने वाले और किसी भी प्रकार से हार नहीं मानने वाले लगनशील तथा जिद्दी प्रवृत्ति के प्राणी हैं।

वास्तविकता तो यह है कि आप तथाकथित रूप से हर क्षण नेतृत्व प्रदान करना पसंद करते हैं। इसके अतिरिक्त खेल कूद भी आपके लिए प्रिय है। आप अपने विचारों के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति का विचार को स्वीकार नहीं करते हैं। आप व्यक्तिगत रूप से अपना न्यायपक्ष ही प्रस्तुत करते हैं। आप स्वाभाविक रूप से नेतृत्व प्रदान करने वाले हैं। तथा शीघ्रता पूर्वक किसी भी विषय को कार्यरूप दे देते हैं। आप सुगमता से अपने अधिकारी या सहायक के विचारों को नही मानते हैं। अर्थात् किसी अन्य की सत्ता स्वीकार नही करते।

आप अपनी अति महत्वकांक्षा के प्रति पूर्ण रूपेण अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके आनंद प्राप्त करते तथा शीघ्रता पूर्वक अपनी सम्मति प्रस्तुत कर देते हैं। आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हो जाते है कि आपके विचार और कार्य कलाप अकाट्य है। आप सदैव सभी विषयों में अपनी प्रधानता एवं सशक्त रूप से प्रेरणा प्रदान करते हैं। संयोगवश यदि असफलता हाथ लगती है तो आप पश्चाताप का श्रेय दूसरो पर देते तथा पुनः अपनी पूरी शक्ति प्रदर्शन एवं अपने नियंत्रण से पुनः कार्यारंभ कर देते हैं।

आप सभी शंकाओं से रहित एक विश्वासी व्यक्ति हैं। आप व्यक्तिगत रूप से निष्कपट प्राणी है। यदि कोई व्यक्ति अनैतिक आचरण अथवा दाव पेंच से आपके साथ चालाकी या चतुरता से आप पर भारी दबाव डालना चाहता है तो आप उसके साथ विषमता पूर्ण रूख अपना कर निष्ठुर व्यवहार करने पर तत्पर हो जाते हैं। परंतु यदि कोई व्यक्ति इसके अतिरिक्त आपके विरुद्ध किसी को उकसाता है। या आप पर दबाव डालना चाहता है तो इस प्रकार के आचरण को उलझन पूर्ण व्यवहार समझकर सतर्क रहते हैं। कोई पिछली बातों को भुलाकर, विश्वास पूर्वक समझौता करना चाहता है तो आप इमानदारी पूर्वक, क्रोध और निष्ठुरता को त्याग कर अंततोगत्वा आगे आकर अर्थात् मित्रता का हाथ बढ़ा कर एवं संकीर्णता से उपर उठ कर सफलता एवं विजय प्राप्त कर लेते हैं। आप अपने परिवार की समस्याओं पर ध्यान देते तथा पूर्ण सतर्क रह कर अंत में सभी समस्याओं का समाधान करते हैं। आप अपने पारिवारिक समस्याओं को बिना समय नष्ट किए शीघ्रता पूर्वक अर्थात् मनोयोग पूर्वक बिना किसी उपेक्षित भावनाओं से संपादन कर लेते हैं।

आपके परिवार के सभी सदस्य एवं आप स्वयं अपनी माता से पूर्ण रूपेण संबद्ध रहा करते हैं। आपकी पत्नी आपको अपने प्रभाव में रखने का पूर्ण प्रयास करती हैं। ऐसा संभव है कि आप अपनी पत्नी की विशेषताओं पर अमल करने लगें।

आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ्य एवं शारीरिक शक्ति से मजबूत रहकर आनंद प्राप्त करेंगे। लेकिन यदि आप पूर्ण सतर्कता से वाहन नही चलाएगें या वाहन चलाते समय कोई नादानी (बचपना) की तो यह संभव है कि आप किसी भी दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं तथा आपके सिर में कोई चोट लग सकती है। अतः आपको पूर्ण सर्तकता से कोई भी वाहन चलाना चाहिए अन्यथा कोई (छोटी) साधारण दुर्घटना आपके संपूर्ण जीवन में कभी भी संभाव्य है। अतः आपके लिए यह चेतावनी है कि आप अच्छी तरह नियमित रूप से सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।

यदि आप अपने दैनिकचर्या के अनुकूल आचरण नही किए तो यह संभव है कि आप मस्तिष्क रोग के अथवा पक्षाघात के शिकार हो सकते हैं। अतः आप समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें, ऐसी ज्योतिषीय राय है। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य के प्रति सुधार करते रहें। आपके स्वास्थ्य के लिए मांसाहार सर्वथा वर्जित है। सदैव ही शाकाहार भोजन ग्रहण करें।

स्वास्थ्य की तुलना में धन क्या। यह तो कुछ भी नही है। स्वास्थ्य पर सदैव ध्यान देना अनुकूल है। यदि आप नीति पूर्ण ढंग से उचित खर्च करने में मनमानी करेंगे अथवा अपनी क्षमता से अधिक खर्च करेंगे तो आपका संचित धन पर कुप्रभाव पड़ेगा जिस कारण आपकी वार्षिक आय-व्यय का सिलसिला बिगड़ जाएगा। और आपकी कोई भी योजना प्रारंभ होने के समय आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित हो जाएगी। यदि आप आनंद प्राप्त करने के लिए किसी बिंदु पर आसक्त हो जाएंगे तो आप शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त नही कर सकेंगे और आपकी योजना हानिप्रद प्रमाणित होगी। अर्थात् आपको काम-धंधे से नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतः आप सुरक्षित ढंग से धन का बचत नियमित करें जो आपके संवेदनशील परिस्थिति में सहायक हो सके।

यदि आप किसी भी, परिस्थिति या मौसम के प्रारंभिक काल अर्थात् कोई भी कार्य प्रारंभ करने के पहले निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें तो यह आपके लिए लाभजनक सिद्ध होगा।

आप काले रंग के वस्त्रों एवं धातुओं का त्याग कर पीले, लाल एवं ताम्रवर्ण रंग को अपनाएं जो आपके लिए सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अंक 9 और 1 अंक अनुकूल, अंक 4 एवं 8 अंक प्रभावक परंतु अंक 6 एवं 7 अंक आपके लिए प्रतिकूल फलदायक अंक हैं।